

पाठ 21



आओ फिर से दिया जलाएँ

(प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से निराश न होने तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी है।)

भरी दुपहरी में अँधियारा,

सूरज परछाईं से हारा,

अन्तरतम का नेह निचोड़ें, बुझी हुई बाती सुलगाएँ।

आओ फिर से दिया जलाएँ।



हम पड़ाव को समझे मंजिल,

लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल,

वर्तमान के मोहजाल में आने वाला कल न भुलाएँ।

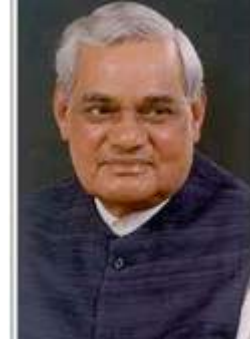
आओ फिर से दिया जलाएँ।

आहुति बाकी, यज्ञ अधूरा,

अपनों के विघ्नों ने घेरा।

अंतिम जय का वज्र बनाने, नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ।

आओ फिर से दिया जलाएँ।



अटल बिहारी बाजपेयी का जन्म 2 दिसम्बर 1924 ई0 को ग्वालियर म0प्र0 में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री कृष्ण बिहारी बाजपेयी एवं माता श्रीमती कृष्णा देवी था। अटल जी भारत के प्रधानमंत्री भी रहे। भारत सरकार द्वारा इनको 'भारतरत्न' प्रदान किया गया है। इनकी प्रमुख रचनाएँ-'मेरी इक्यावन कविताएँ', 'नई चुनौती नया अवसर', 'मेरी संसदीय यात्रा (चार खण्ड)', 'न दैत्यं न पलायनम्' इत्यादि है।

शब्दार्थ

अन्तरतम = अन्तःकरण, सबसे भीतरी भाग। **नेह** = प्रेम। **आहुति** = यज्ञ या हवन के समय सामग्री को अग्नि में डालना। **विघ्न** = बाधा।

1. भरी हुई दुपहरी से कवि का क्या आशय है ?
2. कवि बुझी हुई बाती को कैसे सुलगाने को कह रहा है ?
3. 'पड़ाव को ही समझे मंजिल' का क्या आशय है ?
4. 'आहुति बाकी यज्ञ अधूरा' से कवि का क्या आशय है ?
5. 'वर्तमान के मोह जाल' से कवि का क्या आशय है ?
6. कवि द्वारा 'नव दधीचि' की बात क्यों की जा रही है ?

विचार और कल्पना-

1. अगर भरी हुई दुपहरी में अचानक अँधेरा हो जाय तो क्या-क्या कठिनाइयाँ होंगी ?
2. यदि आने वाले कल को भुला दिया जाय तो हमारे वर्तमान पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?

कुछ करने को-

1. दीप से सम्बंधित अन्य कवियों की कविताओं का संग्रह कर पुस्तिका में लिखिए।
2. बिजली का अविष्कार होने के पूर्व प्रकाश के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था, पता करके लिखिए।
3. अपने भविष्य को सुधारने के लिए वर्तमान में आप क्या-क्या करेंगे। इस विषय पर पुस्तिका में लिखिए।

भाषा की बात-

1. 'अं' को अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न (') होता है। अनुस्वार एक नासिक्य ध्वनि है, क्योंकि इसे बोलते समय हवा केवल नाक से बाहर निकलती है। इसका प्रयोग प्रत्येक

व्यंजन वर्ग के पंचमाक्षर यानी पाँचवें अक्षर जैसे-ड., ज, ण, न, म के स्थान पर किया जाता है। दिये गये शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार (`) लगाइए-

यथा- निचोड़े- निचोड़ें

मजिल

अतिम

विघ्नो

2. नेह शब्द का दो अर्थ है-1. प्रेम 2.तेल। इसी प्रकार दो अर्थ देने वाले पाँच शब्द और उनका अर्थ लिखिए।

3. कविता में आए तुकान्त शब्दों को छाँटकर अपनी पुस्तिका पर लिखिए।

शिक्षण संकेत- कविता में आए दधीचि प्रसंग को छात्रों को विस्तार से बताएँ।

पढ़ने के लिए

जलाते चलो ये दीये स्नेह भर-भर

कभी तो धरा का अँधेरा मिटेगा।

जला दीप पहला तुम्ही ने तिमिर की,

चुनौती प्रथम बार स्वीकार की थी।

तिमिर की सरित पार करने तुम्हीं ने,

बना दीप की नाव तैयार की थी।

बहाते चलो नाव वह तुम निरन्तर,

कभी तो तिमिर का किनारा मिलेगा।

जलाते चलो ये दीये स्नेह भर-भर

कभी तो धरा का अँधेरा मिटेगा।

-द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी (द्वारिका)

इसे भी जानें



उपरोक्त भारतीय रेल यात्री टिकट के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें-

(क) कहाँ से कहाँ तक यात्रा करने के लिए टिकट क्रय किया गया है ?

(ख) यात्रा में ट्रेन द्वारा कुल कितनी दूरी तय की गयी ?

(ग) किस श्रेणी में यात्रा करने हेतु टिकट क्रय किया गया है ?

(घ) यात्रा करने की तिथि कौन सी है ?

(ङ) यात्री का च्छत् नम्बर क्या है ?

(च) टिकट खरीदने हेतु कुल कितना धन व्यय किया गया है ?

(छ) किस नम्बर की गाड़ी से यात्रा की गयी ?

(ज) कुल कितने यात्रियों के लिए टिकट खरीदा गया है ?

(झ) यात्रियों को किस-किस नम्बर का सीट/बर्थ आवंटित किया गया है ?